

**अनुसूचित जाति स्त्री.** (तत्.) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 330 के अंतर्गत परिगणित कुछ जातियाँ।

**अनुसूचित बैंक पुं.** (तत्.) भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की द्वितीय अनुसूची में सम्मिलित बैंक। scheduled bank

**अनुसूची स्त्री.** (तत्.) शा.अर्थ. वाद वाली सूची 1. विधि. विधानमंडल द्वारा पारित किसी अधिनियम या किसी विधिक लिखत का परिशिष्ट 2. प्रशा. किसी प्रलेख की व्याख्या के तौर पर अथवा उसके परिशिष्ट के रूप में जोड़ा गया वर्गीकृत या सारणीबद्ध अंश 3. विवरणों की तालिका बद्ध या क्रमबद्ध सूची। schedule

**अनुसृत वि.** (तत्.) [अनु+सृत] जिसके गुण, शील आदि का अनुसरण किया गया हो।

**अनुसृति स्त्री.** (तत्.) 1. अनुसरण, पीछे चलना 2. नकल।

**अनुसृष्टि स्त्री.** (तत्.) उत्तरवर्ती रचना, क्रमिक रचना।

**अनुसेचन पुं.** (तत्.) [अनु+सेचन] 1. किसी पर एक क्रम से या बार-बार किया जाने वाला जल का छिड़काव 2. किसी लता, पादप आदि को बार-बार पानी से सींचना जैसे- अनुसेचन से दूर्वा का विकास होता है।

**अनुसेवा स्त्री.** (तत्.) [अनु+सेवा] 1. किसी कार्य, प्रयोजन, आदि के लिए होने वाली सेवा या साधन के रूप में उपयोगिता 2. किसी के मातहत होकर कार्य करने की स्थिति, अधीनता 3. किसी की सेवा किये जाने के बाद की जानी वाली सेवा, उपचार।

**अनुसेवी वि.** (तत्.) अधीनस्थ हैसियत से सेवा करने वाला।

**अनुस्तरण पुं.** (तत्.) एक के बाद एक, या एक के ऊपर एक क्रमबद्ध स्तर में करना, बिखराना या फैलाना।

**अनुस्मरण पुं.** (तत्.) बार-बार स्मरण, बीती बातों की स्मृति।

**अनुस्मारक पुं.** (तत्.) स्मृति या याद दिलाने के लिए लिखा पत्र, स्मरण पत्र। reminder

**अनुस्मृति स्त्री.** (तत्.) 1. अनुस्मरण 2. मोहक स्मृति 3. एकांत चिंतन 4. समग्र में से मात्र एक का ध्यान करना।

**अनुस्यूत वि.** (तत्.) 1. ग्रंथित 2. पिरोया हुआ, 3. सिला हुआ 4. श्रेणीबद्ध, संबद्ध।

**अनुस्वार पुं.** (तत्.) स्वर के बाद प्रयुक्त एक अयोगवाह चिह्न, यह इ, ऋ, ए, न, म् आदि नासिक्य व्यंजनों के अर्ध रूप के स्थान पर प्रयुक्त होता है, इसके लिए (.) चिह्न प्रयुक्त होता है, यथा- पङ्क पंक, कज्ज कंज, पन्त= पंत।

**अनुहरण पुं.** (तत्.) [अनु+हरण] 1. अनुकरण 2. सादृश, समानता।

**अनुहरना स.क्रि.** (तत्.) 1. किसी का अनुसरण करना, नकल करना 2. एक जैसा या समान प्रतीत होना 3. अनुकूल होना।

**अनुहार वि.** (तत्.) [अनु+हार] 1. समान, सदृश 2. अनुकूल, अनुरूप जैसे समय के अनुहार कार्य स्त्री. 3. ठीक चीज की हूबहू आकृति, प्रतिकृति 4. अनुकरण, नकल जैसे सबकी अनुहार करना उचित नहीं है 5. भेद/प्रकार (काव्य में नायिका के भेद)

**अनुहारक वि.** (तत्.) 1. जो अनुहरण करने में कुशल हो, अनुहरण कर्ता 2. जो किसी बात की अनुकरण कर सकता हो।

**अनुहारना स.क्रि.** (तत्.) 1. किसी के तुल्य या सदृश करना 2. किसी से किसी की उपमा करना, जैसे- लक्ष्मीबाई की दुर्गा से अनुहारना।

**अनुहारी वि. पुं.** [अनुहाति+ई] 1. किसी का अनुकरण करने वाला 2. किसी के अनुरूप बना हुआ 3. किसी की नकल करके रचित स्त्री